पत्रिका 29.12.2022

पर्यावरण बचाने की पहल : यूजीसी ने 309 शैक्षणिक संस्थानों को लिखा पत्र

विवि-कॉलेजों में बनेंगे नगर वन, देखभाल की जिम्मेदारी छात्रों की

एक्सक्लूसिव

वन विभाग के सहयोग से लागू होगी योजना

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

रायपुर. प्रदेश के विश्वविद्यालय और कॉलेजों अब नगर वन बनेंगे। इसमें छात्र-छात्राएं पर्यावरण को बचाना और संवारना सीखेंगे। पौधा रोपण से लेकर उसकी देखभाल भी करेंगे। प्रदेश की 309 शैक्षणिक संस्थाओं में 'नगर वन' की स्थापना के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने उन्हें पत्र लिखा है। यूजीसी के सचिव प्रोफेसर रजनीश जैन की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि नगर वन की स्थापना शैक्षणिक संस्थान और वन विभाग के सहयोग से किया जा सकता है। पत्र देशभर के सभी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों और कॉलेजों व शिक्षण संस्थानों के प्राचार्यों को जारी किया गया है। यूजीसी के मुताबिक नगर वाटिका परियोजनाओं के निर्माण के लिए पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय आवश्यक सहायता प्रदान करेगा।

कई किस्म के पौधों का होगा रोपण

विवि-महाविद्यालय परिसर में जगह का चिन्हांकन करके पौधरोपण किया जाएगा। पौधरोपण छात्रों के माध्यम से होगा और उन्हें संरक्षित करने का काम भी करना होगा। पौधरोपण के लिए संस्थान वन विभाग की मदद लेगा। एनसीसी और स्काउटगाइड के कैडेट्स को भी इसमें शामिल किया जाएगा। नगर वन में ज्यादा से ज्यादा किस्म के पौधों का रोपण किया जाएगा, ताकि छात्र उनके बारे में जान सकेंगे और उन्हें संरक्षित करने का प्रयास करेंगे।

जैव विविधता का ज्ञान

इस योजना का उद्देश्य छात्रों को प्रकृति के अलावा जैव विविधता की जानकारी देना, नगर वन या वाटिका विकसित करके शहरी क्षेत्रों में हरियाली वाला स्थान बनाना और कस्बों के किनारे की वन भूमि को क्षरण-अतिक्रमण से बचाना है।

पत्र अभी तक नहीं मिला है। मीडिया के माध्यम से नगर वन योजना की जानकारी मिली है। पत्र आते ही उसमें लिखी गाइड लाइन के अनुसार नगर वन योजना का पालन किया जाएगा।
डॉ डीआर पटेल,
कुलसचिव, पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय

नगर वन योजना की विस्तार से जानकारी अभी नहीं मिली है। यूजीसी के माध्यम से जो पत्र आया है, उसमें शामिल निर्देशों के अनुसार योजना का पालन किया जाएगा।
पीसी चौबे
प्राचार्य, साइंस कॉलेज